राज्य सभा

विदाई उद्गार - 247वां सत्र

(9 जनवरी, 2019)

श्री सभापतिः माननीय सदस्यों, राज्य सभा का 247वां सत्र , जो 11 दिसम्बर, 2018 को प्रारंभ हुआ था, आज समाप्त हो रहा है। कुल मिलाकर सभा की 18 बैठकें हुई, जिनमें केवल 27 घंटे तक चर्चा हो पाई। 78 से अधिक घंटों का समय बर्बाद हुआ जो संसद के उच्च सदन की कार्य प्रणाली की दुखद स्थिति को दर्शाता है।

सत्र के दौरान नियमित और सतत् तौर पर व्यवधान हुआ जिसके कारण सदस्य अविलम्बनीय लोक महत्व के विषयों पर चर्चा करने और प्रश्नों के माध्यम से कार्यपालिका की जवाबदेही निर्धारित करने के अवसर से वंचित रह गए। स्वीकृत किए गए 285 तारांकित प्रश्नों में से केवल 31 का उत्तर मौखिक तौर पर दिया गया और 13 दिनों तक प्रश्नकाल नहीं हो सका। संपूर्ण सत्र के दौरान सभापीठ की अनुमति से सदस्यों द्वारा केवल 38 मामले उठाए गए जबकि केवल 16 विशेष उल्लेख किए जा सके।

सभा में सतत् व्यवधान के कारण सदस्य कुछ राज्यों में 'गाजा' और 'तितली' चक्रवातों के कारण हुई तबाही से पैदा हुई स्थिति और इस संबंध में सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के संबंध में ध्यानाकर्षण मामलों में गृह मंत्री के वक्तव्य को सुनने और स्पष्टीकरण मांगने से वंचित रह गए।

4 सरकारी विधेयक पारित किए गए , 5 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए और 4 विधेयक वापस लिए गए। सभा ने ऐतिहासिक विधेयक, संविधान (एक सौ चौबीसवां संशोधन) विधेयक, 2019, लोक सभा द्वारा पारित रूप में, पर आठ घंटे से अधिक समय तक चर्चा की और इसमें 39 सदस्यों ने भाग लिया। राष्ट्रपति द्वारा जम्मू और कश्मीर राज्य के संबंध में भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत जारी की गई उद्घोषणा संबंधी परिनियत संकल्प पर भी 2 ½ से अधिक समय तक चर्चा की गई जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया और यह संकल्प सभा द्वारा स्वीकृत किया गया।

संपूर्ण सत्र के दौरान कोई भी गैर -सरकारी विधेयक पुरःस्थापित नहीं किया गया अथवा उस पर चर्चा नहीं की गई। हालांकि, सभा में गैर-सरकारी सदस्यों के दो संकल्पों पर चर्चा हो पाई।

सभा में 17 अन्य पूर्व सदस्यों सहित श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री; श्री सोमनाथ चटर्जी, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ; श्री अनंत कुमार, रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री के निधन का उल्लेख किया गया। सभा में संयुक्त राज्य अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति श्री जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश के निधन का भी उल्लेख किया गया।

मैं इस अवसर पर विपक्ष के नेता, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं तथा माननीय सदस्यों द्वारा सभा के समग्र कार्यकरण में प्रदान किए गए सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सहायता और सहयोग करने के लिए उनके प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

राष्ट्रीय गीत, (वन्देमातरम् की धुन बजाई गई।)

श्री सभापति : सभा अनियत तिथि के लिए स्थगित की जाती है।

* * * * *